9. Examine correspondence theory of truth in Western Philosophy. 15

पाश्चात्य-दर्शन में सत्य के संवादिता सिद्धान्त की परीक्षा कीजिए।

A **(Printed Pages 4)**

Roll. No. _____

AH-3/2737

B.A.(Hons.) (Part-III) Examination, 2015

PHILOSOPHY

Paper-I

(Problems of Philosophy-Indian & Western)

Time Allowed : Three Hours] ***[Maximum Marks : 100***

Note : Answer **five** questions in all. Question **No. 1** is **compulsory**. Attempt **one** question from each Unit.

कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न **सं. 1 अनिवार्य** है। प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न कीजिए।

1. Write short notes on the following: 8×5=40

निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(1) Pramanyavada

प्रामाण्यवाद

(2) Vivartavada

विवर्त्तवाद

(3) Concept of Liberation in Buddhist Philosophy

बौद्ध दर्शन में निर्वाण की अवधारणा

(4) Synthetic Apriori judgements

संश्लेषणात्मक प्रागानुभविक निर्णय

(5) Hume's rejection of causality

ह्यूम द्वारा कारणता का खण्डन

Unit-I/ इकाई-I

2. Critically examine Parmanukaranavada in Indian Philosophy. 15

भारतीय दर्शन में परमाणुकारणवाद की आलोचनात्मक परीक्षा कीजिए।

3. Discuss Samkhya's theory of Prakritiparinamvada in Indian Philosophy. 15

भारतीय दर्शन में सांख्य के प्रकृतिपरिणामवाद पर चर्चा कीजिए।

Unit-II/ इकाई-II

4. Explain Bhutachaitanyavada regarding the theory of soul. 15

आत्मा के सिद्धान्त के संदर्भ में भूतचैतन्यवाद की व्याख्या कीजिए।

5. Discuss in detail Nyaya theory of salvation.

मोक्ष के सम्बन्ध में न्याय दर्शन के सिद्धान्त पर विस्तार से चर्चा कीजिए। 15

Unit-III/ इकाई-III

6. State and examine Rationalistic theory of Knowledge. 15

ज्ञान के बुद्धिवादी सिद्धान्त की व्याख्या और परीक्षा कीजिए।

7. Give a critical account of Kant's theory of space and time. 15

कान्ट के देश-काल सम्बन्धी सिद्धान्त की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

Unit-IV/ इकाई-IV

8. Write an essay on conceptualism with reference to universals. 15

सामान्य के संदर्भ में प्रत्ययवाद पर एक निबन्ध लिखिए।